Symbol of Success

ब्रिलिएन्ट

SOLVED Question Paper 2022

Our Useful Books for BSEB, CBSE, JAC & All Other Competitive Exams

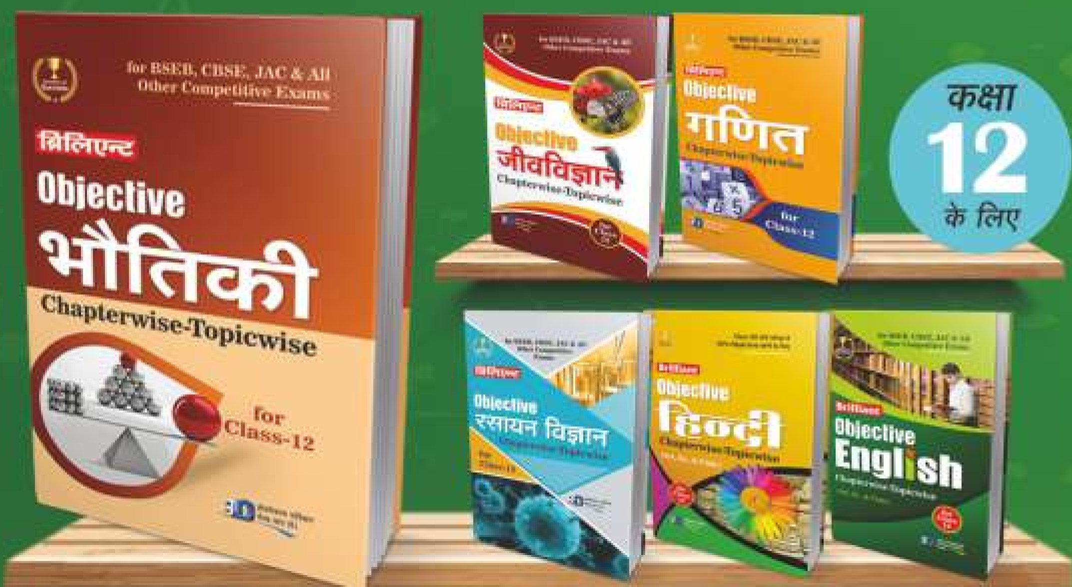

कक्षा 12 के लिए

Our Highly Useful Question Bank

CLASS 12

कुल प्रश्नों की संख्या : 106 *Solved Question Paper* : 2022 [पूर्णांक : 100
Time : 3 Hr. 15 Min.]

हिन्दी

खण्ड-अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं जिनमें से कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR उत्तर-पत्रक पर चिन्हित करें। 50 × 1 = 50

1. 'तुमुल कोलाहल कलह में' शीर्षक कविता किस महाकाव्य का अंश है?
(A) अष्टयाम (B) लहर
(C) कामायनी (D) मुकुल उत्तर—(C)

2. वर्ग 9 तक की पढ़ाई के बाद शिक्षा अधूरी छोड़कर कौन कवयित्री असहयोग आंदोलन में कूद पड़ी थीं?
(A) मीराबाई (B) महादेवी वर्मा
(C) अनामिका (D) सुभद्रा कुमारी चौहान
उत्तर—(D)

3. "तेज तम अंस पर कान्ह जिमि कंस पर, यौं मलेच्छ बंस पर सेर सिवराज है" – यह पंक्ति किस शीर्षक कविता की है?
(A) कवित्त (B) पद (तुलसीदास)
(C) छप्पय (D) पद (सूरदास)
उत्तर—(A)

4. भूषण ने किस रस को प्रमुखता दी है?
(A) हास्य रस (B) वीर रस
(C) रौद्र रस (D) श्रृंगार रस उत्तर—(B)

5. गोस्वामी तुलसीदास हिन्दी के कैसे महाकवि हैं?
(A) जातीय महाकवि (B) स्वच्छन्द महाकवि
(C) अंतर्जातीय महाकवि (D) रूढ़िवादी महाकवि
उत्तर—(A)

6. 'म' का उच्चारण-स्थान क्या है?
(A) कंठ (B) ओष्ठ
(C) तालु (D) दंत उत्तर—(B)

7. 'पृथ्वीश' शब्द का संधि-विच्छेद क्या है?
(A) पृथ्वी + श (B) पृ + थ्वीश
(C) पृथ्वी + ईश (D) पृथ + वीश उत्तर—(C)

8. निम्न में शुद्ध कौन है?
(A) प्रमेश्वर (B) परिक्षण
(C) प्रान (D) परीक्षा उत्तर—(D)

9. 'वाराणसी', शब्द कौन संज्ञा है?
(A) व्यक्तिवाचक (B) जातिवाचक
(C) भाववाचक (D) समूहवाचक उत्तर—(A)

10. 'नगर' शब्द क्या है?
(A) स्त्रीलिंग (B) पुंलिंग
(C) उभयलिंग (D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(B)

11. हिन्दी में वचन के कितने प्रकार हैं?
(A) एक (B) तीन
(C) दो (D) चार उत्तर—(C)

12. 'तीर से बाघ मार दिया गया' – किस कारक का उदाहरण है?
(A) संप्रदान (B) अपादान
(C) संबोधन (D) करण उत्तर—(D)

13. 'यह मेरा छोटा भाई सौरभ है' – किस सर्वनाम का उदाहरण हैं?
(A) निश्चयवाचक (B) निजवाचक
(C) संबंधवाचक (D) अनिश्चयवाचक
उत्तर—(A)

14. 'सब धन' – कौनसा विशेषण है?
(A) संख्यावाचक (B) परिमाणबोधक
(C) गुणवाचक (D) सार्वनामिक उत्तर—(B)

15. क्रिया के कितने भेद होते हैं?
(A) तीन (B) चार
(C) दो (D) पाँच उत्तर—(C)

16. 'वह जाएगा' किस काल का उहारण है?
(A) वर्तमान काल का (B) भूतकाल का
(C) संदिग्ध भूतकाल का (D) भविष्यत काल का
उत्तर—(D)

17. 'पगड़ी' शब्द क्या है?
(A) देशज (B) विदेशज
(C) तत्सम (D) तद्भव उत्तर—(A)

18. 'जिन शब्दों के खंड सार्थक न हों', उन्हें क्या कहते हैं?
(A) यौगिक (B) रूढ़
(C) योगरूढ़ (D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(B)

19. 'विनय' शब्द में उपसर्ग क्या है?
(A) विन (B) इन
(C) वि (D) इ उत्तर—(C)

20. 'वंदना' शब्द मं प्रत्यय क्या है?
(A) ना (B) न
(C) आ (D) अना उत्तर—(C)

21. 'मामा' शब्द का विशेषण क्या होगा?
(A) ममेरा (B) ममिया
(C) ममियारी (D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(A)

22. 'यथाशीघ्र' शब्द कौन समास है?
(A) तत्पुरूष (B) अव्ययीभाव
(C) बहुव्रीहि (D) द्वंद्व उत्तर—(B)

23. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने प्रकार हैं?
(A) चार (B) दो
(C) तीन (D) पाँच उत्तर—(C)

24. 'हर तरह के संकटों से घिरे रहने पर भी वह निराश नहीं हुआ' – किस वाक्य का उदाहरण है?
(A) संयुक्त वाक्य (B) प्रश्नवाचक वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) सरल वाक्य
उत्तर—(D)

25. निम्न में से शुद्ध वाक्य कौन है?
(A) यह कहना आपकी गलती हैं
(B) शब्द केवल संकेतमात्र हैं
(C) हमारे शिक्षक प्रश्न पूछते हैं
(D) चरखा कातना चाहिए उत्तर—(A)

26. 'अंतरंग' का विलोम क्या होगा?
(A) अल्प (B) बहिरंग
(C) अपेक्षा (D) अनुग्रह उत्तर—(B)

27. 'जिसके समान द्वितीय नहीं है' – के लिए एक शब्द है
(A) अजातशत्रु (B) अनुपम
(C) अद्वितीय (D) अद्भूत उत्तर—(C)

28. 'अंगारों पर लोटना' मुहावरें का अर्थ क्या है?
(A) चाल चलना (B) याचना करना
(C) धोखा देना (D) ईर्ष्या से व्याकुल होना
उत्तर—(D)

29. 'अश्व' का पर्यायवाची क्या है?
(A) तुरंग (B) अनल
(C) आमोद (D) अंबक उत्तर—(A)

30. 'उसने उस पुस्तकालय को खरीदा, जो उसके मित्र का था' – किस वाक्य का उदाहरण है?
(A) सरल वाक्य (B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(B)

31. 'अधिनायक' शीर्षक कविता किस कविता संग्रह से ली गई है?
(A) 'सबकुछ होना बचा रहेगा'
(B) 'अतिरिक्त नहीं'
(C) 'लगभग जयहिंद'
(D) 'आत्महत्या के विरूद्ध' उत्तर—(D)

32. 'एक लेख और एक पत्र' शीर्षक पाठ क्या है?
(A) ऐतिहासिक पत्र (B) संस्मरण
(C) कहानी (D) कविता उत्तर—(A)

33. भगत सिंह के पिता का क्या नाम था?
(A) सरदार विशुन सिंह (B) सरदार किशन सिंह
(C) सरदार पीरत सिंह (D) सरदार कीरत सिंह
उत्तर—(B)

34. 'ओ सदानीरा' शीर्षक पाठ के अनुसार, सन् 1962 की बाढ़ का दृश्य जिन्होंने देखा है, उन्हें 'रामचरितमानस' में किसके क्रोध रूपी नदी की बाढ़ याद आई होगी?
(A) लक्ष्मण के (B) भरत के
(C) कैकेयी के (D) राम के उत्तर—(C)

35. 'ओ सदानीरा' पाठ के अनुसार, गाँधीजी ने 'आश्रम विद्यालय' कहाँ स्थापित किया था?
(A) पाटलिपुत्र, नालंदा में
(B) सासाराम, भभुआ में
(C) वैशाली, राजगीर में
(D) बड़हरवा, मधुबन और भितिहरवा में उत्तर—(D)

36. मोहन राकेश किस आंदोलन के प्रमुख हस्ताक्षर थे?
(A) नई कहानी आंदोलन के
(B) कविता आंदोलन के
(C) स्वाधीनता आंदोलन के
(D) समाज सुधार आंदोलन के उत्तर—(A)

37. 'सिपाही की माँ' शीर्षक पाठ में, हड्डियों का चलता-फिरता ढाँचा कौन है?
(A) पलटू राम (B) दीनू कुम्हार
(C) सियाराम मोची (D) पंडित दीनानाथ
उत्तर—(B)

38. 'आलोचना' त्रैमासिक के प्रधान सम्पादक कौन थे?
(A) बालकृष्ण भट्ट (B) चंद्रधर शर्मा गुलेरी
(C) नामवर सिंह (D) जयप्रकाश नारायण
उत्तर—(C)

39. 'प्रगीत और समाज' शीर्षक पाठ के अनुसार, आचार्य रामचंद्र शुक्ल के काव्य-सिद्धांत के आदर्श क्या थे?
(A) भक्तिकाव्य (B) सूफीकाव्य
(C) गीतिकाव्य (D) प्रबंधकाव्य
उत्तर—(D)

40. 'जूठन' शीर्षक आत्मकथा में स्कूल के हेडमास्टर का क्या नाम है?
(A) कलीराम (B) सियाराम
(C) हरिराम (D) हरेराम उत्तर—(A)

41. 'सौभाग्य' शब्द का विलोम क्या है?
(A) नभाग्य (B) दुर्भाग्य
(C) सभाग्य (D) अभाग्य उत्तर—(B)

42. 'पत्नी' शब्द का पर्यायवाची क्या है?
(A) सेवक (B) वारि
(C) अर्धांगिनी (D) विवुध उत्तर—(C)

43. 'हमारे जवानों को देखकर दुश्मन भाग गए' – कौन वाक्य है?
(A) मिश्र वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) सरल वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(C)

44. 'कहा जा सकता है' – कौन पदबंध है?
(A) संज्ञा पदबंध (B) विशेषण पदबंध
(C) सर्वनाम पदबंध (D) क्रिया पदबंध
उत्तर—(D)

45. 'चतुर्भुज' शब्द कौन समास है?
(A) द्विगु (B) द्वंद्व
(C) तत्पुरूष (D) अव्ययीभाव उत्तर—(A)

46. 'विकास' शब्द का विशेषण क्या होगा?
(A) विकासी (B) विकसित
(C) विकसिती (D) विकसिन उत्तर—(B)

47. संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण के अंत में लगनेवाले प्रत्यय को क्या कहते हैं?
(A) तद्धित (B) कृदंत
(C) क्रियाद्योतक कृदंत (D) वर्तमानकालिक विशेषण
उत्तर—(A)

48. 'य, र, ल, व,' – कौन व्यंजन हैं?
(A) स्पर्श व्यंजन (B) उष्म व्यंजन
(C) अंतःस्थ व्यंजन (D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(C)

49. हिंदी में अनुनासिक वर्णों की संख्या कितनी है?
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच उत्तर—(D)

50. 'दिगंबर' शब्द का संधि-विच्छेद क्या होगा?
(A) दिक् + अंबर (B) दिगं + बर
(C) दि + गंबर (D) दिगंब + र
उत्तर—(A)

51. किन्होंने प्रायः लंबी कविताएँ ही लिखी हैं?
(A) गजानन माधव मुक्तिबोध
(B) भूषण
(C) नाभादास (D) जायसी उत्तर—(A)

52. 'इबारत से गिरी मात्राएँ' शीर्षक कविता-संग्रह किसकी रचना है?
(A) रघुवीर सहाय (B) अशोक वाजपेयी
(C) ज्ञानेंद्रपति (D) शमशेर बहादुर सिंह
उत्तर—(B)

53. 'गाँव का घर' शीर्षक कविता के अनुसार, पंचायती राज में कौन खो गए?
(A) ग्रामीण (B) कस्बाई
(C) पंच परमेश्वर (D) शहरी उत्तर—(C)

54. 'हार-जीत' शीर्षक कविता में 'मशकवाला' क्या कर रहा है?
(A) गाना गा रहा है (B) नाच रहा है
(C) बात कर रहा है (D) सड़क सींच रहा है
उत्तर—(D)

55. सर्कस का प्रकाश – बुलौआ शहर से कितनी दूर से आने वाला है?
(A) दस कोस दूर (B) चार कोस दूर
(C) पाँच कोस दूर (D) सात कोस दूर
उत्तर—(A)

56. अशोक वाजपेयी जी ने कहाँ रहकर स्वतंत्र लेखन किया था?
(A) बंगाल में रहकर (B) दिल्ली में रहकर
(C) हरियाणा में रहकर (D) बिहार में रहकर
उत्तर—(B)

57. 'प्यारे नन्हें बेटे को' शीर्षक कविता का नायक कहाँ का रहने वाला है?
(A) सागर, मध्य प्रदेश
(B) गोड्डा, झारखण्ड
(C) भिलाई, छत्तीसगढ़
(D) रायपुर, छत्तीसगढ़ उत्तर—(D)

58. 'लिखने का कारण' शीर्षक निबंध किस लेखक की रचना है?
(A) ज्ञानेंद्रपति (B) अशोक वाजपेयी
(C) जयशंकर प्रसाद (D) रघुवीर सहाय
उत्तर—(D)

59. गजानन माधव मुक्तिबोध अपने रचनात्मक जीवन में किन दो प्रधान वैश्विक विचारधाराओं के संसर्ग में आए?
(A) अस्तित्ववाद एवं मार्क्सवाद
(B) क्षणवाद एवं छायावाद
(C) प्रयोगवादी एवं प्रभाववादी
(D) प्रगतिवादी एवं व्यक्तिवादी उत्तर—(A)

60. "नील जल में या किसी की गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो" – यह पंक्ति किस शीर्षक कविता से है?
(A) पुत्र-वियोग (B) उषा
(C) कवित (D) गाँव का घर
उत्तर—(B)

61. सूरदास किस भाषा के कवि हैं?
(A) मगही (B) मैथिली
(C) ब्रजभाषा (D) भोजपुरी उत्तर—(C)

62. 'गीतावली' किसकी रचना है?
(A) सूरदास
(B) नाभादास
(C) मलिक मुहम्मद जायसी
(D) तुलसीदास उत्तर—(D)

63. नाभादास किसके समकालीन, थे?
(A) तुलसीदास
(B) विनोद कुमार शुक्ल
(C) गजानन माधव मुक्तिबोध
(D) भूषण उत्तर—(A)

64. 'हार-जीत' शीर्षक कविता किस प्रकार की रचना है?
(A) गद्य कविता (B) शोक गीत
(C) हर्ष गीत (D) पद्य गीत उत्तर—(A)

65. मीरा ने अपना प्रियतम किसे माना है?
(A) ब्रह्मा को (B) कृष्ण को
(C) शिव को (D) राम को उत्तर—(B)

66. 'शिवा बावनी' के कितने मुक्तकों में छत्रपति शिवाजी की वीरता का बखान किया गया है?
(A) 50 (B) 53
(C) 52 (D) 54 उत्तर—(C)

67. 'झरना' शीर्षक काव्य संकलन किस कवि की रचना है?
(A) सुभद्रा कुमारी चौहान
(B) विनोद कुमार शुक्ल
(C) अशोक वाजपेयी
(D) जयशंकर प्रसाद उत्तर—(D)

68. सुभद्रा कुमारी चौहान का निधन कैसे हुआ?
(A) कार दुर्घटना में (B) ट्रेन दुर्घटना में
(C) बस दुर्घटना में (D) हवाई जहाज दुर्घटना में
उत्तर—(A)

69. शमशेर बहादुर सिंह ने सोवियत रूस की यात्रा कब की?
(A) 1975 ई॰ में (B) 1978 ई॰ में
(C) 1960 ई॰ में (D) 1976 ई॰ में
उत्तर—(B)

70. "नील नदी, अमेजन, मिसौरी में वेदना से गाती हुई बहती बहाती हुई जिंदगी की धारा एक" – यह पंक्ति किस शीर्षक कविता से है?
(A) हार-जीत
(B) गाँव का घर
(C) जन-जन का चेहरा एक
(D) उषा उत्तर—(C)

71. निम्न में शुद्ध शब्द कौन हैं?
(A) निरिह (B) तत्त्व
(C) पत्नि (D) नुपुर उत्तर—(B)

72. जिस संज्ञा से नाप-तौल वाली वस्तु का बोध हो, उसे क्या कहते हैं?
(A) समूहवाचक (B) भाववाचक
(C) द्रव्यवाचक (D) जातिवाचक
उत्तर—(C)

73. 'शिक्षा' शब्द क्या हैं?
(A) पुंलिंग (B) उभयलिंग
(C) स्त्रीलिंग (D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(C)

74. 'भिक्षा' शब्द क्या है?
(A) तत्सम (B) तद्भव
(C) देशज (D) विदेशज उत्तर—(A)

75. 'पाठक' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा?
(A) पाठकी (B) पाठिका
(C) पाठाकु (D) पाठकीन उत्तर—(B)

76. 'कक्षा' शब्द क्या है?
(A) स्त्रीलिंग (B) पुंलिंग
(C) उभयलिंग (D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर—(A)

77. 'बिल्ली छत से कूद पड़ी' – किस कारक का उदाहरण है?
(A) संप्रदानकारक (B) संबंधकारक
(C) अपादानकारक (D) करणकारक
उत्तर—(C)

78. 'देश-विदेश' शब्द कौन समास हैं?
(A) द्विगु (B) बहुव्रीहि
(C) कर्मधारय (D) द्वंद्व उत्तर—(D)

79. 'कोसों दूर भागना' मुहावरे का अर्थ क्या है?
(A) बहुत अलग रहना (B) बराबर मानना
(C) विघ्न आना (D) संतोष होना उत्तर—(A)

80. 'जो स्त्री अभिनय करे' – के लिए एक शब्द क्या होगा?
(A) अभिनेत्री (B) कवयित्री
(C) स्त्रीनेत्री (D) अभिनीत उत्तर—(A)

81. 'जख्म पर धूल' शीर्षक कविता किसकी रचना है?
(A) नामवर सिंह (B) मलयज
(C) भगत सिंह (D) उदय प्रकाश
उत्तर—(B)

82. 'तिरिछ' शीर्षक पाठ में लेखक के पिताजी कितने साल के हैं?
(A) छप्पन साल के (B) बावन साल के
(C) पचपन साल के (D) सत्तावन साल के
उत्तर—(C)

83. सी॰डब्ल्यू॰ लीडबेटर किनमें 'विश्व शिक्षक' का रूप देखते थे?
(A) भगत सिंह में (B) जयप्रकाश नारायण में
(C) उदय प्रकाश में (D) जे॰ कृष्णमूर्ति में
उत्तर—(D)

84. 'शिक्षा' शीर्षक पाठ के अनुसार, सत्य की खोज तभी संभव हैं, जब
(A) स्वतंत्रता हो (B) चिंतन हो
(C) मनन हो (D) विचार हो उत्तर—(A)

85. 1870-90 ई॰ के बीच गाइ-डि-मोपासों की कहानी की कितनी पुस्तकें प्रकाशित हुई?
(A) दो सौ (B) तीन सौ
(C) एक सौ (D) सात सौ उत्तर—(B)

86. 'क्लर्क की मौत' शीर्षक पाठ में, जनरल अंतिम प्रार्थी से बात करके कहाँ जाने के लिए मुड़ा?
(A) शयनकक्ष में जाने के लिए
(B) रसोईघर में जाने के लिए
(C) निजी कमरे की ओर जाने के लिए
(D) स्नानघर में जाने के लिए उत्तर—(C)

87. 'पेशगी' शीर्षक पाठ के लेखक कौन हैं?
(A) हेनरी लोपेज (B) अंतोन चेखव
(C) गाइ-डि-मोपासाँ (D) टोपाज्ड विलियम
उत्तर—(A)

88. बीसवीं सदी में प्रगीतात्मकता का दूसरा उन्मेष कैसे हुआ?
(A) संघर्ष के साथ (B) रोमांटिक उत्थान के साथ
(C) विद्वेष के साथ (D) भावुकता के साथ
उत्तर—(B)

89. ओमप्रकाश वाल्मीकि को 'डॉ॰ अंबेडकर राष्ट्रीय पुरस्कार' कब प्राप्त हुआ?
(A) 1995 ई॰ में (B) 1996 ई॰ में
(C) 1993 ई॰ में (D) 1994 ई॰ में
उत्तर—(C)

90. नाटक के क्षेत्र में जयशंकर प्रसाद के बाद की सबसे बड़ी प्रतिभा कौन माने जाते हैं?
(A) चंद्रधर शर्मा गुलेरी (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) जयप्रकाश नारायण (D) मोहन राकेश
उत्तर—(D)

91. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी किसके अभिभावक बनकर मेयो कॉलेज अजमेर में आए?
(A) राजा भोज के
(B) राजा हरि सिंह के
(C) खेतड़ी के नाबालिग राजा जयसिंह के
(D) राजा देवगुप्त के उत्तर—(C)

92. 'बातचीत' शीर्षक निबंध के अनुसार – रस का समुद्र किनकी बातचीत में उमड़ा चला आता है?
(A) दो हम सहेलियों की बातचीत में
(B) दो पुरूषों की बातचीत में
(C) दो बच्चों की बातचीत में
(D) दो मूर्खों की बातचीत में उत्तर—(A)

93. 'उसने कहा था' शीर्षक कहानी में यह किसने कहा कि 'उदमी, उठ सिगड़ी में कोले डाल।'?
(A) वजीरासिंह
(B) सूबेदार हजारासिंह
(C) सुबेदारनी
(D) बोधसिंह उत्तर—(B)

94. जयप्रकाश नारायण मार्क्सवादी कब बने?
(A) 1922 ई॰ में (B) 1923 ई॰ में
(C) 1924 ई॰ में (D) 1925 ई॰ में
उत्तर—(C)

95. जयप्रकाश नारायण का पुकार का नाम क्या था?
(A) बबुआ (B) जगन
(C) नारायण (D) बाउल उत्तर—(D)

96. 'अर्धनारीश्वर' शीर्षक पाठ हिन्दी साहित्य की कौन विधा है?
(A) रेखाचित्र (B) निबंध
(C) जीवनी (D) आत्मकथा उत्तर—(B)

97. बचपन में खेलने के लिए सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय ने कौन-सा नाटक लिखा था?
(A) वज्रसभा (B) वरद्सभा
(C) इंद्रसभा (D) जनसभा उत्तर—(C)

98. 'रोज' शीर्षक कहानी में मालती मिट्टी का बर्तन गरम पानी से क्यों धो रही है?
(A) खाना रखने के लिए
(B) खाना बनाने के लिए
(C) पानी रखने के लिए
(D) दही जमाने के लिए उत्तर—(D)

99. भगत सिंह का जन्म कब हुआ था?
(A) 28 सितम्बर, 1907 ई॰
(B) 22 अक्टूबर, 1904 ई॰
(C) 24 सितम्बर, 1905 ई॰
(D) 25 जुलाई, 1906 ई॰ उत्तर—(A)

100. 'प्रेम की पीर' के कवि कौन हैं?
(A) जयशंकर प्रसाद
(B) ज्ञानेंद्रपति
(C) रघुवीर सहाय
(D) जायसी उत्तर—(D)

खण्ड-ब (विषयनिष्ठ प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें— $1 \times 8 = 8$

(i) महँगाई (ii) नशामुक्ति
(iii) पर्यावरण संरक्षण (iv) मेरे प्रिय कवि
(v) वसंत ऋतु (vi) छठ पर्व।

उत्तर—

(i) महँगाई

पिछले दो दशकों से महँगाई द्रौपदी के चीर की तरह निरंतर बढ़ती जा रही है। विभिन्न वस्तुओं के मूल्य में अप्रत्याशित वृद्धि को देखकर आश्चर्य होता है। निरंतर बढ़ती हुई महँगाई भारत जैसे विकासशील देश के लिए निश्चित ही भयानक अभिशाप कहा जा सकता है। निम्न वर्ग तथा मध्यवर्ग के लोगों के साथ उच्चवर्ग के लोग भी महँगाई से त्रस्त हो उठे हैं। महँगाई का सबसे अधिक प्रभाव निम्न मध्य वर्ग पर हुआ। इस वर्ग के लोग अपना सामाजिक स्तर भी बनाए रखना चाहते हैं तथा स्वयं चक्रव्यूह में भी फँसा हुआ अनुभव करते हैं। अधिकांश वेतनभोगी कर्मचारी इस कमरतोड़ महँगाई के समक्ष घुटने टेक बैठे हैं। महँगाई के विकराल दानव ने आज सम्पूर्ण भारतीय समाज को आतंकित कर दिया है। भारत में 90% लोग महँगाई के दुष्चक्र में फँसे हुए हैं।

देश के नेता बार-बार आश्वासन देते हैं कि महँगाई को रोकने के लिए कारगर उपाय किये जा रहे हैं, परन्तु नेताओं के आश्वासन पूर्णतः असफल सिद्ध हो रहे हैं। भारत एक निर्धन देश है। इस देश में मूल्यों का इस प्रकार बढ़ना निश्चय ही भयानक है। मूल्य वृद्धि के कारण जनता की क्रयशक्ति बहुत ही कम हो गई है।

बढ़ती हुई महँगाई का सर्वाधिक मुख्य कारण बढ़ती हुई जनसंख्या है। पिछले 50 वर्षों में हमारे देश की जनसंख्या लगभग तीन गुनी हो गई है। जनसंख्या की वृद्धि के अनुपात से विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि नहीं हुई है। जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ती है, वैसे-वैसे विभिन्न वस्तुओं की माँग में वृद्धि होती है। माँग के अनुपात में यदि वस्तुओं की पूर्ति में वृद्धि नहीं होती, तो महँगाई का बढ़ना स्वाभाविक ही है। पिछले दशक में विभिन्न वस्तुओं पर लगाए गए करों में भी बहुत अधिक वृद्धि हुई है। बढ़ती हुई महँगाई का एक महत्त्वपूर्ण कारण व्यापारी वर्ग में बढ़ती हुई मुनाफाखोरी व जमाखोरी की प्रवृत्ति भी है। बड़े-बड़े व्यापारी प्रायः आवश्यक वस्तुओं का स्टॉक कर लेते हैं। इस प्रकार के वस्तुओं को वे मनमाने भाव में बेचते हैं। गेहूँ, घी, चावल, चीनी जैसी आवश्यक वस्तुएँ महँगे मूल्य पर भी खरीदने के लिए विवश होना पड़ता है।

हमारे देश में निरंतर बढ़ता हुआ भ्रष्टाचार भी मूल्य वृद्धि का एक मुख्य कारण है। पुल, सड़कें और इमारतें बनने के कुछ समय बाद ही खण्डहर बन जाते हैं। इन्हें पुनः निर्मित कराने में पर्याप्त धनराशि व्यय होती है। निर्माणकर्त्ता सीमेंट के स्थान पर रेत का प्रयोग करते हैं। परिणाम यह होता है कि शासक को अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में धन खर्च करना पड़ता है। प्राकृतिक आपदाएँ भी मूल्य-वृद्धि में एक सीमा तक सहायक हैं। हमारे देश में कभी सुखा पड़ जाता है, तो कभी विभिन्न नदियों में बाढ़ आ जाती है।

महँगाई पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार को कठोर कदम उठाने चाहिए तथा जनता को भी सादगीपूर्ण जीवन-शैली में निष्ठा रखनी चाहिए। इसके अतिरिक्त आवश्यक पदार्थों के उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि होनी चाहिए। चुनाव वगैरह के नाम पर पैसों का अपव्यय न हो, यह ध्यान देना आवश्यक होगा।

(ii) नशामुक्ति

मनुष्य नशा क्यों करता है? नशा करने से तनाव दूर होने की संभावना उसे प्रतीत होती है। नशा करने से आनंद में वृद्धि होती है। बाद में नशा आदत बन जाती है। बुरी संगति भी नशा-युक्ति का कारण बन जाती है। जो मनुष्य के मानस, स्वास्थ्य एवं संवेदना को मार देती है।

इस नशा से मुक्ति आवश्यक है। भारत जैसे गरम देश में इसकी आवश्यकता ही नहीं है। नशामुक्ति से परिवार, समाज एवं देश में शांति का संचार संभव हो सकेगा। नशामुक्ति से ही सही पढ़ाई हो सकेगी। सही नौकरी मिल सकेगी। नशामुक्ति से ही घरों में स्त्रियों की पिटाई रुक सकेगी। नशामुक्ति से धन का अपव्यय रुक सकेगा।

नशामुक्ति के लिए व्यक्तिगत स्तर पर कोशिश करनी होगी। सरकारी प्रयास भी सार्थक हो सकेंगे। बिहार सरकार ने नशा-पर प्रतिबंध लगाया। लेकिन दुगुने दाम पर आज भी शराब उपलब्ध है। केवल कानून से नशामुक्ति नहीं हो सकेगी। इसके लिए देश, समाज एवं परिवार के वातावरण में भी सुधार की आवश्यकता है। शराबी मित्रों, शराबी फिल्मों और शराब के व्यवसाय से बचना होगा। शराबी राजनेताओं को वोट नहीं देना होगा।

नशामुक्ति के लिए कुछ दवा-दारू एवं नशा मुक्ति केन्द्र भी चल रहे हैं। उनमें शराबियों को पकड़ कर लाना होगा। आरक्षी-पुलिस कुछ पैसे लेकर उन्हें न छोड़ दें। नशामुक्ति से देश का भविष्य सँवर जाएगा।

(iii) पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण का अर्थ है हमारे चारों ओर का वातावरण। यदि यह वातावरण प्रदूषित हो जाए तो जीवों की जान भी चली जाएगी। अतः मनुष्यों को अपने पर्यावरण को संरक्षित एवं सुरक्षित रखना होगा। पर्यावरण और प्राणी एक-दूसरे पर आश्रित हैं। यही कारण है कि भारतीय चिन्तन में पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा उतनी ही प्राचीन है जितना यहाँ मानव जाति का ज्ञात इतिहास।

धरती पर जीवन के लालन-पालन के लिए पर्यावरण, शुद्ध पर्यावरण प्रकृति का अनुपम उपहार है। वह प्रत्येक तत्त्व जिसका उपयोग हम जीवित रहने के लिए करते हैं, वह सभी पर्यावरण के अन्तर्गत आता है। जैसे—हवा, पानी, प्रकाश, भूमि, पेड़, जंगल ध्वनि और अन्य प्राकृतिक तत्त्व। हमारा पर्यावरण धरती पर स्वस्थ जीवन को अस्तित्व में रखने के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पर्यावरण संरक्षण का समस्य प्राणियों के जीवन तथा इस धरती के समस्त प्राकृतिक परिवेश से घनिष्ठ संबंध है। प्रदूषण के कारण सारी पृथ्वी दूषित हो रही है और निकट भविष्य में मानव सभ्यता का अंत दिखाई दे रहा है। पर्यावरण को संरक्षित, सुरक्षित रखने के लिए हमें उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग बंद करना होगा। बिजली की खपत पर लगाम लगानी होगी। पानी का कम-से-कम उपयोग करना होगा। गैस का प्रयोग कम-से-कम करना होगा। प्लास्टिक बैग और उसके उत्पादों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना होगा। सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग रखकर कूड़ा एकत्रित करनेवालों को देना होगा। वाहनों से निकलनेवाले धूएँ को कम करना होगा। कारखानों के धूएँ को मनुष्यों के निवास से दूर रखना होगा। जंगलों को कटने से बचाना होगा। बड़े-बड़े पेड़ लगाना होगा। भूतल एवं सतह जल का उपयोग कम-से-कम करना होगा।

पर्यावरण संरक्षण के परिनियमों का अनुशासन पूर्वक पालन करना होगा। हमें स्वस्थ जीवन शैली अपनानी होगी। तभी पर्यावरण संरक्षण संभव हो सकेगा।

(iv) मेरे प्रिय कवि

मेरे प्रिय कवि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर हैं। उनकी कविता राष्ट्रीय भावना का संचार करती हैं। उनकी कविता अन्याय सहने का विरोध करती है। उनकी कविता नारी के प्रति विनम्रता का भाव सिखलाती है। वे उस पुरुष को पूर्ण कहते हैं जिनमें नारियों की सी विनम्रता होती है। उनकी कविता कर्ण की विनम्रता और दानी स्वभाव की प्रशंसा करती है। उनकी कविता भारत की प्रशंसा करती है। इन्हीं कारणों से वे आज भी मेरे प्रिय कवि हैं।

दिनकर जी का जन्म 23 सितम्बर, 1908 ई० में हुआ था। उनका निधन 24 अप्रैल, 1974 में हुआ था। उनका जन्म स्थान सिमरिया, बेगूसराय, बिहार में हुआ था। उनकी माता का नाम मनरूप देवी और पिता रवि सिंह थे।

दिनकर जी की कृतियाँ हैं—'प्रणभंग', रेणुका, हुंकार, 'रसवंती', कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, नीलकुसुम, उर्वशी, परशुराम की प्रतीक्षा, कोमलता और कवित्व और 'हारे को हरिनाम'।

दिनकर जी की गद्य कृतियाँ हैं—'मिट्टी की ओर', अर्धनारीश्वर, 'संस्कृति के चार अध्याय', 'काव्य की भूमिका', 'वट पीपल', 'शुद्ध कविता की खोज' और 'दिनकर की डायरी'।

'संस्कृति के चार अध्याय' पर साहित्य अकादमी एवं 'उर्वशी' पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार उन्हें मिला था। दिनकर जी को पद्मभूषण की उपाधि भी मिली थी। वे राष्ट्रकवि माने जाते हैं।

दिनकर जी की कविता में ओज एवं पौरुष भरा हुआ था। हिन्दी एवं बिहार का यश दिनकर जी ने बढ़ाया। उनकी कविता का नमूना इस प्रकार है—

'जब तक मनुज मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।'

(v) वसंत ऋतु

वसंत ऋतु उस मौसम का नाम है, जो जाड़े की समाप्ति और गर्मी के आगमन पर देश में रहता है। भारतवर्ष में छः मौसम होते हैं–वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, शरद, हेमंत और शिशिर।

ऋतु चक्र के अनुसार शिशिर ऋतु के बाद चैत्र और वैशाख दोनों ही महीने वसंत ऋतु माने गए हैं। इसे ही 'ऋतुराज' और 'मधुमास' नाम दिया जाता है। इस मौसम में कुहरा (कुहासा) कम हो जाता है। ठंड कम होने लगती है। आकाश साफ हो जाता है।

चैत्र एवं वैशाख में पेड़ों में नई कोपलें फूटती हैं। टेसू जंगल में लालिमा युक्त होकर शोभायमान हो उठता है। महुए की भीनी-भीनी गंध आने लगती है। सरसों, गेहूँ, चना, मटर, तीसी की फसल तैयार हो जाती है। भौंरे गुंजन करने लगते हैं। कोयले कूकने लगती है। पपीहे मस्त मधुर गान छेड़ते हैं। फूल खिल उठते हैं। 'वसंत अलमस्त' है। अपनी मस्ती में वह किसी का अंकुश स्वीकारे ही क्यों ? वह तो निर्बाध विहार का स्वामी है। वह भला मुट्ठी में बंधा रह सकता ? जब वह व्यक्त होता है तो सारा संसार उसमें व्यस्त हो जाता है। वसुधा उसका सुधा रस चख झूम हो उठती है। उसके वन-वनांतरों में टेसू के रंग-ढंग देखकर रसाल-मंजरियाँ भी मचल उठती हैं। 'पलाशों में उदासी और आलस्य के बंधनों को तोड़ जो उल्लास फूटता है उसे देखकर मन में मुक्ति की रागिनी स्वतः स्फूर्त हो जाती है। तब होली-चांचर-फाग मन के ओज के अप्रमदी निर्झर बनकर बह चलते हैं। सरस हृदय की सतेज साधना से ही वसंत की जीवंतता का जन्म होता है।'

वसंत में मनुष्यों के जीवन में उत्साह का संचार होने लगता हैं। प्रेयसियाँ उमंग से भर उठती हैं। यदि जाड़ा आता है, तो वसंत भी दूर नहीं होता। यह प्रणय की ऋतु है। वसंत जीवन में उत्सव का-सा माहौल पैदा कर देता है। मनुष्य अंदर से प्रसन्न और बाहर से भी प्रसन्न हो उठता है। वसंत में उत्सव मनुष्य धूम-धाम से मनाना चाहता है। 'इस समय आहलाद की अतिरेकता संभाले नहीं संभलती। जो वसंत अपने विविध रंगों से सराबोर, अपनी तीव्रता में प्रखरतम हो संपूर्ण धरा का ऊर्जस्वित कर देता है, उसे संभालना अजेय पौरुष का कार्य है।'

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं वसंत एक उल्लासपूर्ण ऋतु है। यह प्रकृति के मध्य खुशहाली लाती है। यह मनुष्यों में यौवन का उल्लास भर देती है। यह पक्षियों को कलरवमय कर देती है। इस धरती के सारे जीव इस ऋतु का अभिनंदन करते हैं।

(vi) छठ पर्व

सूर्य की विधिवत पूजा बिहार में बड़े पैमाने पर होती है। यह पूजा छठ कहलाती है। यह पूरे भारत में फैल रही है।

दीपावली के छठे दिन षष्ठी व्रत के नाम से लोकप्रिय यह पूजा काफी कड़े व्रत और नियमों के साथ की जाती है। नियम में प्रवेश चौथे दिन, पाँचवें दिन लोहंडा, छठे दिन शाम के वक्त डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य और सातवें दिन सुबह को उगते सूर्य को दूसरा और अंतिम अर्घ्य के साथ यह त्योहार सम्पन्न होता है। अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने के लिए सूर्य को नमस्कार करने का यह अनूठा पर्व आर्य और वैदिक संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए हुए हैं।

ऋग्वेद ने सूर्य को ईश्वर की सबसे खूबसूरत दूनिया कहते हुए सलाह दी है कि इस दैविक सूर्य की संप्रभुता का हम आदर करें।

भारत में कई सूर्य मंदिर हैं, जिनमें कोणार्क का सूर्य मंदिर मशहूर है।

सूर्य आखिर है क्या? वेदों में इसे एक पहिए वाले सुनहरे रथ पर सवार देवता कहा गया है, जिसे सात शक्तिशाली घोड़े पलक झपकते ही 364 लीग की रफ्तार से दौड़ा कर ले जाते हैं। वह अपने रथ पर सवार होकर आसमान में घूमता रहता है और संसार की हर गतिविधि पर नजर रखता है।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करें : $2 \times 4 = 8$

(i) "मुझे यह सोचकर एक अजीब सी राहत मिलती है और मेरी फँसती हुई साँसे फिर से ठीक हो जाती है कि उस समय पिताजी को कोई दर्द महसूस नहीं होता रहा होगा।"

(ii) "हम तो केवल अपने समय की आवश्यकता की उपज हैं।"

(iii) "पूरब-पश्चिम से आते हैं
नंगे-बूचे नर-कंकाल,
सिंहासन पर बैठा, उनके
तमगे कौन लगाता है।"

(iv) "बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो।"

उत्तर—(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ उदय प्रकाश द्वारा रचित जादुई कहानी 'तिरिछ' से उद्धृत हैं। उपरोक्त पंक्तियों द्वारा लेखक अपने पिताजी के विषय में वर्णन करते हैं। उनके पिताजी शहर में जाकर विभिन्न स्थानों पर वहाँ के लोगों को हिंसक कारवाईयों के शिकार हो जाते हैं। उनको काफी चोटें आती हैं और वे मरणासन्न हो जाते हैं। उन स्थितियों में भी लेखक एक अजीब-सी राहत महसूस करता है तथा

उसकी फँसती हुई साँसे सामान्य हो जाती हैं। वह ऐसा अनुभव करता है कि उसके पिताजी को अब कोई दर्द महसूस नहीं हो रहा होगा। वह ऐसा इसलिए सोचता है कि अब उनके पिताजी को कोई ऐसा विश्वास होने लगा होगा। उकने साथ जो कुछ भी हुआ वह एक सपना था। उनकी नींद खुलते ही सब ठीक हो जाएगा। पुनः वह यह भी आशा व्यक्त करता है कि उसके पिताजी फर्श पर सोते हुए उसे उसकी छोटी बहन को भी देख सकेंगे।

लेखक की इस उक्ति में अजीब विरोधाभास है। लेखक के पिता बुरी तरह घायल हो गए हैं। उनकी स्थिति चिन्ताजनक हो गई है। फिर भी वह आशा करता है कि वे स्वस्थ हो जाएँगे, उन्हें कोई दर्द महसूस नहीं होगा और वे लेखक तथा उसकी छोटी बहन को फर्श पर लेटे हुए देखेंगे। यहाँ भी लेखक ने प्रतीकात्मक भाषा-शैली का प्रयोग किया है। सम्भवतः हिंसात्मक, भीड़ द्वारा उनके पिताजी बेरहमी से पिटाई तथा उनका सख्त घायल होना, उनकी विपन्नता, प्रताड़ना तथा त्रासदपूर्ण स्थिति को इंगित करता है। प्रतीकात्मक भाषा द्वारा लेखक ने अपने विचारों को प्रकट किया है ऐसा अनुभव होता है। लेखक का इस क्रम में आगे चलकर यह कहना है कि "और जैसे ही वे जायेंगे सब ठीक हो जाएगा या नीचे फर्श पर सोते हुए मैं और छोटी बहन दिख जाएँगे।" लेखक के पिताजी एवं परिवार की सोचनीय आर्थिक दशा का सजीव वर्णन मालूम पड़ता है।

(ii) प्रस्तुत पंक्तियाँ भगत सिंह द्वारा रचित क्रांतिकारी रचना 'एक लेख और एक पत्र' से उद्धृत है। भगत सिंह कहते हैं कि मनुष्य अपने समय की आवश्यकता की उपज है। समय ही बलवान होता है। भारत गुलाम था। आजाद हो जाएगा। अतः अपने रास्ते पर भारतीयों को चलकर देश को आजाद बनाना होगा। जेल की सजा या मृत्युदंड से डरना नहीं होगा।

(iii) रघुवीर सहाय द्वारा रचित 'अधिनायक' कविता भारतीय प्रजातंत्र पर व्यंग्य है। भारत की अभी भी आम जनता संत्रस्त एवं परेशान है।

भारत में आज भी आम जनता नंगी-भूखी है। दोनों शाम का भोजन आधी जनता को नहीं मिल पाता है। पूरब-पश्चिम से ये नंग-धड़ंग नर कंकालों के वेश में झण्डोत्तोलन जैसे राष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने आते हैं। राजनेता तो अकड़ कर सिंहासनों पर बैठ जाते हैं, पर उनके मेडल-शील्ड-तमगे वहीं आम जनता लगाती है और उनका जय बोलती है। भारतीय सामाजिक, राजनीतिक व्यवस्था में बराबरी का हक सभी को नहीं मिल सका। राजतंत्र, तानाशाही तंत्र तो पहले ही से फेल थे। राजनेता शोषण करते हैं। पूँजीपति शोषण करते हैं। सामन्तवादी शोषण करते हैं। निरीह जनता मुँह बंद कर अत्याचार सहती है। वह भूखी है। वह नरकंकाल हो गयी है, फिर भी तमगे का पिन खोंसती है। यह उसकी मजबूरी, लाचारी एवं फटेहाली है।

(iv) प्रस्तुत पंक्तियाँ कविता उषा से उद्धत शमशेर बहादुर सिंह द्वारा लिखित है। कवि का कहना है कि काली सिल पर केसर की लालिमा जिस तरह चमकती है, उस तरह प्रातःकालीन आकाश दिखाई पड़ता है।

3. अपने प्रधानाचार्य के पास एक आवेदन पत्र लिखें, जिसमें अनुपस्थिति दण्ड-शुल्क माफ करने के अनुरोध हो।

1 × 5 = 5

अथवा,

अपने भाई के वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए अपने मित्र को एक पत्र लिखें।

उत्तर—सेवा में,

प्रधानाचार्य,

ए॰ एन॰ कॉलेज, पटना

विषय—अनुपस्थिति दण्ड-शुल्क माफ करने हेतु।

महोदय,

मैं बीमार रहने के कारण एक जुलाई से सात जुलाई तक सात दिन महाविद्यालय नहीं आ सका।

अतः सात दिनों के लिए लगनेवाला अनुपस्थिति दण्ड-शुल्क माफ करने की कृपा की जाय। मैं एक गरीब पर मेधावी छात्र हूँ।

आपका आज्ञाकारी छात्र

सतीश चन्द्र

कक्षा-XII

क्र॰सं॰—02

ए॰ एन॰ कॉलेज, पटना

अथवा,

परीक्षा भवन

पटना उच्च विद्यालय

पटना

03.05.2022

प्रिय मित्र सुरेश,

तुम्हें यह पत्र एक विशेष प्रयोजनवश लिख रहा हूँ। मेरे भाई सुशील का विवाह 11.05.2022 को होना तय हुआ है। इस वैवाहिक कार्यक्रम में तुम्हें शामिल होना है। तुम्हें मैं निमंत्रित कर रहा हूँ। आशा है तुम अवश्य आओगे।

कार्ड छपने पर भेज दूँगा।

सेवा में, — तुम्हारा अभिन्न मित्र

राकेश — आनंद

बख्तियारपुर, — पटना

पटना।

03.05.2022

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दें :

5 × 2 = 10

(i) बिशनी कौन है? इसको किसकी प्रतीक्षा है?

(ii) नारी की पराधीनता कब से आरंभ हुई?

(iii) 'उसने कहा था' शीर्षक कहानी में लपटन साहब की जेब से क्या बरामद हुआ था?

(iv) मालती के पति का परिचय दें।

(v) 'ओ सदानीरा' किस नदी के लिए कहा गया है?

(vi) जायसी रचित पहले कड़बक में कलंक, काँच और कंचन से क्या तात्पर्य है?

(vii) तुलसी अपनी बात सीधे राम से न कहकर सीता से क्यों कहलवाना चाहते हैं?

(viii) शिवाजी की तुलना भूषण ने मृगराज से क्यों की है?

(ix) 'तुमुल कोलाहल कलह में' शीर्षक कविता में 'विषाद' और 'व्यथा' का उल्लेख है, यह किस कारण से है?

(x) पुत्र के लिए माँ क्या-क्या करती हैं? 'पुत्र-वियोग' शीर्षक कविता के आधार पर उत्तर दें।

उत्तर—(i) 'सिपाही की माँ' शीर्षक एकांकी मोहन राकेश ने लिखी है। इस एकांकी में बिशनी माँ के रूप में चित्रित है। उसे एक बेटा और बेटी है। बेटी की शादी की चिन्ता माँ को है। वह बेटे को वर्मा के युद्ध में भेज देती है ताकि वह कुछ पैसा कमाकर लाए। पहले तो बेटे का पत्र भी आता था। जब से लड़ाई छिड़ी है, पत्र भी नहीं आता है। पता नहीं वह वहाँ जिन्दा भी है या मारा गया।

बिशनी को अपने बेटे की प्रतीक्षा है। मुन्नी की शादी के लिए कुछ खर्च के लिए पैसा चाहिए। पैसों की भी प्रतीक्षा है।

(ii) नारी की पराधीनता तब आरम्भ हुई जब मानव जाति ने कृषि का आविष्कार किया, जिसके चलते नारी घर में और पुरुष बाहर रहने लगा। पुरुष कुदाल चलाने वाला और स्त्री अछोरने-पछोरने का काम करने वाली बन गयी।

(iii) लपटन साहब की जेब से बेल के आकार के तीन गोले निकले थे।

(iv) 'रोज' शीर्षक कहानी के रचयिता अज्ञेय हैं। मालती इस कहानी की नायिका है। उसके पति का नाम महेश्वर है। वह पहाड़ी गाँव की सरकारी डिस्पेंसरी में डॉक्टर हैं। वे प्रातः सात बजे डिस्पेंसरी जाते हैं। दोपहर दो बजे वापस आते हैं। फिर एक-दो घंटे के लिए शाम में रोगियों के लिए हिदायतें देने जाते हैं। महेश्वर अन्यमनस्क होकर अपना काम करते हैं। अक्सर गैंग्रीन के रोगियों की टाँगें उन्हें काटनी पड़ती है। पत्नी एवं पत्नी के प्रेम का अभाव उनके जीवन में रहता है। वैसे एक पुत्र भी है। पर परिवारिक रिश्ता प्रेमपूर्ण नहीं है। केवल अपने काम में फँसे रहते हैं। इस कारण महेश्वर की पत्नी मालती भी उतब से भरी रहती है। महेश्वर का जीवन बोझिल, नीरस तथा निर्जीव व्यतीत होता है। उल्लास, अपनापन तथा प्रेम का भी अभाव है।

(v) 'ओ सदानीरा' गंडक नदी के लिए कहा गया है। पहले यह नदी लाज से सिकुड़ी रहती थी। अब वह उन्मतयौवना वीरांगनाओं की भांति प्रचंड नर्तन करती है।

(vi) 'कड़बक' शीर्षक कविता के रचनाकार प्रेम काव्य-परंपरा के श्रेष्ठतम कवि मलिक मुहम्मद जायसी हैं।

विधाता ने चंद्रमा के समान कवि को संसार में बनाकर कलंकी कर दिया, पर वह प्रकाश ही करता है। एक ओर जहाँ कवि कलंकी है—एक आँख का होने के कारण वहीं दूसरी ओर चाँद अपनी कालिमा के कारण कलंकी है। पर दोनों ही प्रकाश करते हैं। कलंक का अर्थ है—कलंकित, बिना गलती के आरोप लगना।

काँच का अर्थ है—कच्ची धातु और कंचन का अर्थ है—सोना। जब तक घरिया में मैल नहीं पड़ता तब तक कच्ची धातु में कंचन की चमक नहीं आती।

(vii) तुलसी संकोची स्वभाव के थे। अतः राम से कहने की उन्हें उतनी हिम्मत नहीं थी, जितनी माता सीता से कहने की। माताएँ तो दयावान होती हैं। वे उनकी बातों को राम के समक्ष आसानी से प्रस्तुत कर सकेंगी। 'मानस' को भी तुलसी ने 'माँ' के समान माना है। इसीलिए माँ से तुलसी याचना करते हैं, सीधे राम से नहीं।

(viii) वीररस के कवि भूषण ने शिवाजी की तुलना जंगलों के राजा शेर से की है। विशाल शरीरधारी जंगली हाथी को शेर मार डालता है। हाथी एक स्थूल जानवर है, जबकि शेर एक फुर्तीला जानवर होता है। हाथी और शेर की लड़ाई में हाथी मारा जाता है। उसी प्रकार शिवाजी वीर, साहसी और पराक्रमी थे। वे मृगराज की तरह पराक्रमी वीर थे।

(ix) 'तुमुल कोलाहल कहल' में शीर्षक कविता में जयशंकर प्रसाद ने मनुष्य जीवन में व्याप्त विषाद-अवसाद और व्यथा-दर्द की अभिव्यक्ति की है। आज की दुनिया कोलाहल से भरी हुई है। स्त्री ही पुरुष की जीवन में प्रवेश कर उसे शांति, चैन, शैथल्य और सुकून प्रदान करती है। नायिका श्रद्धा नायक मनु को सुकून देती है।

(x) सुभद्रा कुमारी चौहान ने 'पुत्र-वियोग' शीर्षक कविता में पुत्र जो अब इस दुनिया में नहीं है-को की गयी माता की सेवाओं को याद करती है।

माँ पुत्र को शीत-ठंढक से बचाती है। वह उसे गोद से कभी नीचे उतारती नहीं है। बच्चा जब माँ कहकर रोता-चिल्लाता या सुरक्षा की गुहार लगाता है तब माँ दौड़ जाती है। माँ बच्चे को थपकी देकर सुलाती है। वह लोरियाँ गाती है। बच्चे के चेहरे पर मलीनता देखकर रात-रात भर जागी रह जाती है। वह अपनापन भूलकर पत्थर को भी देवता मानती है। वह देवताओं पर नारियल, दूध और बताशे चढ़ाती है। कहीं वह मत्था भी टेककर सलामती की दुआ माँगती है। इस प्रकार माँ बच्चे के सुख के लिए अपने सुख का ध्यान भी नहीं करती है। बच्चे के निधन हो जाने पर एक बार देखने के लिए तरसती है। वह रात-दिन की साथिन की तरह व्यवहार करती है।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें— **3 × 5 = 15**

(i) संघर्ष समितियों से जयप्रकाश नारायण की क्या अपेक्षाएँ हैं?

(ii) अगर हममें वाक्शक्ति न होती, तो क्या होता ? 'बातचीत' शीर्षक निबंध के आधार पर उत्तर दें।

(iii) "अर्धनारीश्वर" शीर्षक पाठ में रवींद्रनाथ, प्रसाद और प्रेमचंद के चिंतन से दिनकर क्यों असंतुष्ट हैं?

(iv) गजानन माधव मुक्तिबोध ने 'जन-जन का चेहरा एक' शीर्षक कविता में सितारे को भयानक क्यों कहा है? सितारे का इशारा किस ओर है?

(v) 'उषा' शीर्षक कविता में, 'राख से लीपा हुआ चौका' के द्वारा कवि ने क्या कहना चाहा है?

(vi) सूरदास रचित पठित पद के आधार पर सूर के वात्सल्य वर्णन की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—(i) संघर्ष समितियाँ जनता या छात्रों की होंगी। उनका काम केवल शासन से संघर्ष करना नहीं है, बल्कि उनका काम तो समाज के हर अन्याय और अनीति के विरुद्ध संघर्ष करने का होगा और इस प्रकार से इन समितियों के लिए बराबर एक महत्वपूर्ण कार्य रहेगा। गाँव में छोटे अफसरों या कर्मचारियों की-चाहे वे पुलिस के हों या अन्य किसी प्रकार के-जो घूसखोरी चलती है, उसके खिलाफ तो संघर्ष रहेगा ही। साथ-साथ जिन बड़े किसानों ने बेनामी या फर्जी बन्दोबस्तियाँ की हैं, उनका भी विरोध ये समितियाँ करेंगी और उनको दुरुस्त करने के लिए संघर्ष करेंगी। गाँव में तरह-तरह के हो रहे अन्यायों को भी समितियाँ रोकेंगी।

अमेरिका प्रवास के दौरान जे० पी० घोर कम्युनिस्ट थे। वह लेनिन और ट्राटस्की का समय था। 1924 में लेनिन मरे थे। 1924 में ही जे० पी० मार्क्सवाद बने थे। मार्क्सवाद के सभी ग्रंथ उन्होंने पढ़ डाले। रात को एक रशियन टेलर के घर रोज क्लास लेते थे। वहाँ से जब वे लौटे तो घोर कम्युनिस्ट थे। लेकिन वे राष्ट्रहित में अंगरेजों को भगाने के लिए कांग्रेस में शामिल हुए। कम्युनिस्ट होकर भी वे अपने को कांग्रेस से अलग-थलग नहीं रख सके। आजादी की लड़ाई में भाग लेना था।

(ii) प्रसिद्ध निबंधकार बालकृष्ण भट्ट 'बातचीत' को आधार बनाते हुए कहते हैं कि यदि मनुष्यों में वाक्शक्ति न होती तो यह सृष्टि गूँगी-बहरी रह जाती। सब लोग लुंज-पुंज से हो मानो कोने में बैठा दिए गए होते और जो कुछ सुख-दुख का अनुभव हम अपनी दूसरी-तीसरी इन्द्रियों द्वारा करते, उसे अवाक् होने के कारण, आपस में एक-दूसरे से कुछ न कह-सुन सकते।

(iii) दिनकर ने 'अर्धनारीश्वर' शीर्षक पाठ में नारी एवं पुरुष को अर्धनारीश्वर कहा है। अर्धनारीश्वर शंकर और पार्वती का कल्पित रूप है, जिसका आधा अंग पुरुष का और आधा अंग नारी का होता है।

दिनकर रवीन्द्रनाथ, जयशंकर प्रसाद और प्रेमचंद के चिन्तन से असंतुष्ट हैं। रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार नारी की सार्थकता उसकी भंगिमा के मोहक और आकर्षक होने में है, केवल पृथ्वी की शोभा, केवल आलोक, केवल प्रेम की प्रतिमा बनने में है। कर्मकीर्ति, वीर्यबल और शिक्षा-दीक्षा लेकर वह क्या करेगी? जयशंकर प्रसाद की इड़ा वह नारी है जिसने पुरुषों के गुण सीखे हैं। प्रसाद जी नारी को पुरुषों के क्षेत्र से अलग रखना चाहते थे। प्रेमचंद का कहना है कि पुरुष जब नारी के गुण लेता है तब वह देवता बना जाता है; किन्तु नारी जब नर के गुण सीखती है तब वह राक्षसी हो जाती है। इस प्रकार दिनकर रवीन्द्रनाथ, प्रसाद और प्रेमचंद के चिंतन से असंतुष्ट हैं। ये तीनों चिंतक रोमांटिक प्रतीत होते हैं।

(iv) गजानन माधव मुक्तिबोध मार्कसवादी विचारक थे, उसी को आधार मान कर अपना विचारदर्शन देते हुए लिखते हैं कि लाल झंडे पर सितारा, हँसिया, हथौड़ा मनुष्य की एक मात्र आशा है। यह सितारा भयानक है। यह इस धरती से पूँजीपतियों का नाश और समाजवादियों की विजय कराएगा। इससे जो संकेत मिलते हैं, वे विकराल हैं। शोषकों को संभलना होगा, शोषकों को चेतना होगा।

(v) प्रयोगशील और प्रगतिशील कवि शमशेर बहादुर सिंह ने 'उषा' शीर्षक कविता में उषा के जादू का अद्भुत वर्णन बिम्बों से किया है।

आकाश की सुषमा को रसोईघर की सुषमा से कवि जोड़ता है। प्रातःकाल का नभ राख-सी लीपे हुए चौके के समान कुछ नीला-सा है। यहाँ दिव्यता और पवित्रता का भी भाव है।

(vi) सूरदास वात्सल्य-वर्णन के अद्वितीय कवि हैं। इस धरातल पर उनसे तुलना के लिए संसार के कोई कवि नहीं दिखाई पड़ता। वात्सल्य भाव के पदों की विशेषता यह है कि पाठ्क जीवन की नीरस और जटिल समस्याओं को भूलकर उनमें तन्मय और विभोर हो उठता है।

पाठ्य पुस्तक के दोनों पद वात्सल्य भाव के हैं और 'सूरसागर' से संकलित हैं। इन पदों में विषय, वस्तु चयन, चित्रण, भाषा-शैली, संगीत आदि गुणों का प्रकर्ष-उत्कर्ष दिखाई पड़ता है। पहले पद में दुलार भरे कोमल-मधुर स्वर में सोए हुए बालक कृष्ण को भोर होने की सूचना देते हुए जगाया जा रहा है। दूसरे पद में पिता नंद की गोद में बैठकर बालक कृष्ण को भोजन करते दिखाया जा रहा है।

सूरदास जब अपने प्रिय विषय का वर्णन शुरू करते हैं तो मानो अलंकारशास्त्र हाथ जोड़कर उनके पीछे-पीछे दौड़ा करता है। उपभाओं की बाढ़ आ जाती है। रूपकों की वर्षा होने लगती है। संगीत के प्रवाह में कवि स्वयं बह जाता है। वह अपने को भूल जाता है। सूर के वात्सल्य वर्णन में ब्रजभाषा अपनी कोमलता लालित्य और माधुर्य के कारण अत्यधिक लोकप्रिय होकर अनेक शतियों तक हिन्दी क्षेत्र की प्रमुख कविता की भाषा बनी रही।

6. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक का संक्षेपण कीजिए:

$1 \times 4 = 4$

(i) भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है। भारतीय त्योहार मुख्य रूप से फसलों के त्योहार है। इसका कारण है, भारत का कृषि-प्रधान देश होना। अधिकांश त्योहार धर्मों से संबंधित हैं। भारत अनेक धर्मों का देश है। यहाँ हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख, पारसी, ईसाई और इस्लाम धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। इसलिए धार्मिक त्योहार भी विविधता लिए हुए हैं। एक-दूसरे के धर्मों के बारे में जानकर अच्छा व्यक्ति बनने का भाव जागृत होता है। दशहरा, ईद, गुरु-पर्व, क्रिसमस, दीपावली, मुहर्रम आदि धार्मिक त्योहार हैं।

(ii) ज्ञान का समस्त भण्डार पुस्तकों में रहता है। प्रत्येक व्यक्ति इनसे अपनी-अपनी रूचि के अनुसार ज्ञान प्राप्त कर सकता है। संगीत, नृत्य, चित्रकला, लघुकथा, कविता, कहानी, उपन्यास, विज्ञान, इतिहास, कम्प्यूटर आदि का ज्ञान इन पुस्तकों से ही प्राप्त किया जा सकता है। अपनी-अपनी रूचि के अनुसार बालक से वृद्ध तक पुस्तकें पढ़ सकते हैं। जितने मनुष्य हैं, उनकी अपनी-अपनी रूचि है। वे अपने-अपने क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं। इतना विविधतापूर्ण ज्ञान और विविध जानकारियाँ केवल पुस्तकें ही दे सकती हैं।

उत्तर—(i) शीर्षक—'भारत : विविधताओं का देश'

भारत त्योहारों का देश है। यहाँ हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख, पारसी, ईसाई और इस्लाम धर्म को माननेवाले लोग रहते हैं। सभी अपने-अपने धर्म का पालन करते हैं। त्योहार मनाने की स्वतंत्रता है। धर्मों को जानकर अच्छे मनुष्य बनने का भाव जागृत होता है।

(कुल शब्द संख्या—106; प्रयुज्य शब्द—32 प्रयुक्त शब्द—43)

(ii) शीर्षक—पुस्तकों का महत्त्व

ज्ञान का समस्त भण्डार पुस्तकों में रहता है। अपनी-अपनी रुचि के अनुसार बालक से वृद्ध तक पुस्तकें पढ़ सकते हैं। विविध जानकारियाँ केवल पुस्तकें ही दे सकती हैं।

(कुल शब्द—82; प्रयुज्य शब्द—27 प्रयुक्त शब्द—28)

❖❖❖